हम मलेरिया व डेंगू की रोकथाम में कैसे हाथ बटा सकते हैं ?

मलेरिया और डेंगू से बचने के लिए हम सबको कुछ सरल उपाय अपनाने चाहिएं । यदि बड़े-बूढ़े भूल जाएं तो हमें उन्हें याद दिलाना चाहिए कि -

- ☐ अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- ☐ हैण्ड पम्प के आस-पास सिमेंट से पक्का फर्श व नाली बनवाएं।
- ☐ तालाबों, कुंओं व अन्य जलाशयों आदि में गम्बुज़िया मछली डालें, जो मच्छर के लार्वा को खा जाती है।
- ☐ पानी के सभी बर्तन, टंकी इत्यादि को पूरी तरह ढक कर रखें।
- ☐ सप्ताह में एक बार कूलर, फूलदान, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तनों, हौदी को सुखाकर ही पानी भरें।
- ☐ कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का ही प्रयोग करें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-1): 8.5 x 10.5 inches

छोटे-छोटे उपाय,
मलेरिया व डेंगू
से बचाएं।

मलेरिया व डेंगू से बचने के लिए अपनाइए कुछ सरल उपाय, जिससे मच्छरों का पनपना पूरी तरह नष्ट किया जा सकता है :

- ☐ पानी के सभी बर्तन, टंकी इत्यादि को पूरी तरह ढक कर रखें।
- ☐ अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें।

- ☐ तालाबों, कुंओं व अन्य जलाशयों आदि में गम्बुजिया मछली डालें, जो मच्छर के लार्वा को खा जाती है।

- ☐ कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का ही प्रयोग करें।

- ☐ हैण्ड पम्प के आस पास सिमेंट से पक्का फर्श व नाली बनवाएं।
- ☐ सप्ताह में एक बार कूलर, फूलदान, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तन, हौदी को सुखाकर ही पानी भरें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-2): 8.5 x 10.5 inches

मलेरिया

कैसे करें पहचान ?

मलेरिया के लक्षण :-

- सर्दी व कंपन के साथ बुखार आना।
- तेज़ बुखार व सरदर्द होना।
- बुखार उतरते समय बदन का पसीना-पसीना होना।

कैसे रहें सावधान ?

मलेरिया फैलाने वाले मच्छर ठहरे हुए साफ़ पानी में पनपते हैं, जैसे पानी की टंकी, कुंओं, तालाबों इत्यादि। मलेरिया से बचने के लिए अपनाएं कुछ सरल उपाय जैसे -

- घर के आस पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- पानी के सभी बर्तन, टंकी आदि को पूरी तरह ढक कर रखें।
- घर के अन्दर व बाहर टूटे बर्तनों, टायरों, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तन, फूलदान, आदि में पानी जमा न होने दें।
- मच्छरदानी को कीटनाशक से उपचारित कराएं। यह उपचार स्वास्थ्य केन्द्रों में मुफ़्त किया जाता है।
- तालाबों, कुंओं व अन्य जलाशयों में मच्छरों के लार्वा खाने वाली गम्बुजिया मछली को डालें।
- घर में मच्छरों से छुटकारा पाने के लिए सभी कमरों, स्टोर, रसोईघर आदि में कीटनाशक दवाई का छिड़काव करवाएं। छिड़काव के समय सरकारी कर्मियों को पूर्ण सहयोग दें। 3 महीने तक कमरों की लिपाई एवं पुताई न करें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-3): 8.5 x 10.5 inches

मलेरिया के उपचार

मलेरिया के लक्षण:

- सर्दी व कम्पन के साथ बुखार।
- तेज़ बुखार और सरदर्द।
- बुखार उतरते समय बदन का पसीना-पसीना होना।

यदि बुखार हो तो क्या करें ?

- बुखार आने पर रक्त की तुरन्त जांच कराएं।
- मलेरिया की दवा नियमित रूप से लें।
- दवा खाली पेट न लें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है
मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-4): 8.5 x 10.5 inches

मलेरिया की रोकथाम, देखो कितनी है आसान।

मलेरिया के मच्छर रुके हुए साफ़ या धीरे बहते पानी में पैदा होते हैं। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।

पानी के सभी बर्तन, टंकी आदि को पूरी तरह ढक कर रखें और सप्ताह में एक बार फूलदान आदि को सुखाकर ही पानी डालें।

सभी को, विषेशकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं को कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी के अन्दर ही सोना चाहिए। यह मच्छरदानी साधारण मच्छरदानियों की अपेक्षा कहीं ज़्यादा सुरक्षा देती है।

ठहरे हुए पानी जैसे तालाब, कुंओं, व अन्य जलाशयों में गम्बुज़िया मछली पालें। यह मछली मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा को खा जाती है।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-5): 8.5 x 10.5 inches

पानी ठहरेगा जहाँ,
मलेरिया व डेंगू फैलाने वाले मच्छर पनपेंगे वहाँ।

मच्छर कहाँ पनपते हैं ?

हैण्ड पम्प के आस पास जमा पानी में।

बिखरे पड़े टायरों एवं एकत्रित पानी में।

पशु और पक्षियों के पानी के बर्तनों में।

मलेरिया व डेंगू से बचने के लिए अपनाइए सरल उपाय, जिनसे मच्छरों का पनपना पूरी तरह नष्ट हो जाए।

कुछ आसान उपाय, जैसे -

- ☐ अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- ☐ हैण्ड पम्प के आस-पास पानी जमा न होने दें। उसके आस पास पक्का फर्श व नाली बनवाएं।
- ☐ टायरों को बिखरे पड़े न रहने दें। बिखरे पड़े टायरों में पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं।
- ☐ सप्ताह में एक बार पशु व पक्षियों के पानी के बर्तन, हौदी इत्यादी को सुखाकर ही पानी भरें।
- ☐ पानी के सभी बर्तन, टंकी इत्यादी को पूरी तरह ढक कर रखें।
- ☐ सप्ताह में एक बार कूलर, फूलदान आदि को सुखाकर ही उनमें पानी भरें।
- ☐ सभी को कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए। यह मच्छरदानी साधारण मच्छरदानियों की अपेक्षा कहीं ज्यादा सुरक्षा देती है।
- ☐ ठहरे हुए पानी जैसे तालाबों, कुओं व अन्य जलाशयों में गम्बुजिया मछली डालें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी
स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
NVBDCP

हमने ठाना है
मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-6): 8.5 x 10.5 inches

गम्बुज़िया मछली

मलेरिया से बचने का एक सरल उपाय

1. हैचरी से मुफ़्त उपलब्ध गम्बुज़िया मछली लाएं।

गम्बुज़िया मछली

2. थैली में गम्बुज़िया मछली ले जाएं।

3. तापमान को गम्बुज़िया मछली के अनुकूल बनाने के लिए उसे जलाशय के पानी में डालें।

गम्बुज़िया मछली मलेरिया से बचने का एक सरल उपाय है। यह छोटी सी मछली मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा को खा जाती है।

- ☐ मलेरिया के मच्छर आपके घर के आस-पास ठहरे हुए पानी जैसे तालाब, कुंओं एवं अन्य जलाशयों में पनपते हैं।
- ☐ गम्बुज़िया मछली इन मच्छरों के लार्वा को खा जाती है।
- ☐ यह मछलियाँ स्वास्थ्य केन्द्रों से मुफ़्त प्राप्त की जा सकती हैं।
- ☐ गम्बुज़िया मछलियों को स्वास्थ्य केन्द्रों से प्राप्त करके अपने आस-पड़ोस के गड्ढों, तालाबों, पोखरों व अन्य जलाशयों में डाल दें।

गम्बुज़िया मछली पालें, मच्छर और मलेरिया से बचे।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-7): 8.5 x 10.5 inches

पानी जमा होने देंगे जहाँ, मलेरिया फैलाने वाले मच्छर पनपेंगे वहाँ।

बरसात में अक्सर घर के आस-पास पानी जमा हो जाता है। और यह सच है, पानी जमा होगा जहाँ, मच्छर पनपेंगे वहाँ। यही मच्छर मलेरिया फैलाते हैं।

बिखरे पड़े टायरों में पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं।

छत पर पड़ी टूटी और अनुपयोगी वस्तुओं में पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं।

हैण्ड पम्प के आस पास पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं।

टायरों को रखने का सही तरीका।

छत को साफ़ रखें।

हैण्ड पम्प के आस पास सिमेंट से पक्का फर्श व नाली बनवाएं।

मलेरिया से बचने के लिए अपनाएं कुछ सरल उपाय:

- ☐ अपने घर के आस-पास टूटे फूटे बर्तनों, टायरों आदि को जमा न होने दें।
- ☐ अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें।
- ☐ अपनी मच्छरदानी को कीटनाशक से उपचारित कराएं।
- ☐ अपने स्वास्थ्य केन्द्र से गम्बुजिया मछली लाएं। यह मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा को खा जाती है। इसे आस-पास के जलाशयों में डालें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-8): 8.5 x 10.5 inches

मलेरिया से बचाव

अपने परिवार को मलेरिया से बचाने के लिए मच्छरों की पैदावार रोकने के कुछ सरल उपाय -

- ☐ घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- ☐ घर में रखी हुई नाँद व छत पर टंकी में एकत्रित पानी में मच्छर पैदा होते हैं, इनको सप्ताह में एक बार खाली कर सुखाएं व हमेशा ढक कर रखें।
- ☐ ठहरे हुए पानी जैसे कुंओं, तालाब व अन्य जलाशयों में गम्बुजिया मछली डालें। यह मछली मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा को खा जाती है।
- ☐ गम्बुजिया मछली स्वास्थ्य केन्द्र से मुफ़्त प्राप्त की जा सकती हैं।

मच्छर के काटने से अपने को कैसे बचाएं -

- ☐ आराम की नींद और मलेरिया व मच्छर जनित बिमारियों से बचने के लिए सभी को, खासकर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को, कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का ही प्रयोग करना चाहिए।
- ☐ मच्छरदानी या मच्छरनाशक के इस्तेमाल के बिना घर के बाहर न सोएं।
- ☐ घर के दरवाजों और खिड़कियों पर उपयुक्त जाली इस्तेमाल करें।
- ☐ निश्चित करें कि छिड़काव के समय घर के सभी कमरों में छिड़काव हो। छिड़काव के बाद कम से कम 3 महीने तक लिपाई, सफ़ेदी और रंग-रोगन न करें। घरों में छिड़काव के समय सहयोग दें।

मलेरिया नियंत्रण में आप इस तरह भागीदार हो सकते हैं -

- ☐ मलेरिया जन जागरण अभियान चलाएं ।
- ☐ मलेरिया नियंत्रण समाज की सामुहिक जिम्मेदारी है इस पर नियंत्रण केवल सरकारी प्रयास से संभव नहीं है। इस बात को समाज में समझाएं।
- ☐ लोगों को मलेरिया से बचाव के तरीकों को अपनाने पर जोर दें।
- ☐ मलेरिया को फैलाने वाले कारणों की जानकारी लोगों को दें।
- ☐ बुखार होने पर तुरन्त औषधी वितरण केन्द्र, ज्वर उपचार केन्द्र या स्वास्थ्य केन्द्र जाने के लिए प्रेरित करें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-9): 8.5 x 10.5 inches

मलेरिया के बाद कमज़ोरी आ जाती है, काम करने की क्षमता घट जाती है।

मलेरिया होने पर कमज़ोरी आती है, जिसके कारण आपकी रोज़मर्रा की ज़िन्दगी पर असर पड़ सकता है।

मलेरिया से बचने के लिए अपनाएं कुछ सरल उपाय, जिनसे मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों की पैदावार पूरी तरह नष्ट हो जाए, जैसे -

- ☐ अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- ☐ टायरों को बिखरे पड़े न रहने दें। बिखरे पड़े टायरों में पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं।
- ☐ पानी के बर्तन, टंकियों आदि को ढक कर रखें।
- ☐ पशु और पक्षियों के बर्तन व हौदी को सप्ताह में एक बार अवश्य सुखाएं।
- ☐ अपनी मच्छरदानी को कीटनाशक से उपचारित कराएं।
- ☐ ठहरे हुए पानी जैसे तालाब, कुंओं व अन्य जलाशयों में मच्छरों के लार्वा को खाने वाली गम्बुज़िया मछली डालें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-10): 8.5 x 10.5 inches

छोटे-छोटे मच्छर करें बड़ी-बड़ी हानि, गम्बुज़िया मछली पालो जहाँ ठहरा हो पानी।

गम्बुज़िया मछली मच्छरों से बचने का एक सरल उपाय है।
यह छोटी सी मछली मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा को खा जाती है।

1. हैचरी में मुफ़्त उपलब्ध गम्बुज़िया मछली लाएं।

2. थैली में गम्बुज़िया मछली को ले जाएं।

3. तापमान को गम्बुज़िया मछली के अनुकूल बनाने के लिए उसी तालाब के पानी में डालें।

गम्बुज़िया मछली मलेरिया से बचने का एक सरल उपाय है। यह छोटी सी मछली मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों के लार्वा को खा जाती है।

गम्बुज़िया मछली

- मलेरिया के मच्छर आपके घर के आस पास ठहरे हुए पानी जैसे तालाब, कुंओं एवं अन्य जलाशयों में पनपते हैं।
- गम्बुज़िया मछली इन मच्छरों के लार्वा को खा जाती है।
- यह मछलियाँ स्वास्थ्य केन्द्रों से मुफ़्त प्राप्त की जा सकती हैं।
- गम्बुज़िया मछलियों को स्वास्थ्य केन्द्रों से प्राप्त करके अपने आस-पड़ोस के गड्ढों, तालाबों, पोखरों व अन्य जलाशयों में डाल दें।

गम्बुज़िया मछली पालें, मच्छर और मलेरिया से बचे।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-11): 8.5 x 10.5 inches

अपनाएं सरल उपाय,
और अपने परिवार को मलेरिया से बचाएं।

मलेरिया से दूर रहने के लिए कुछ सरल उपाय, जैसे -

- ☐ अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- ☐ पानी के बर्तन व टंकियों को ढक कर रखें।
- ☐ सप्ताह में एक बार फूलदान, पशु व पक्षियों के पानी के बर्तनों, हौदी आदि को सुखाकर ही पानी भरें।
- ☐ हैण्ड पम्प के आस पास पानी जमा न होने दें। उसके आस-पास सिमेंट से पक्का फर्श व नाली बनवाएं।
- ☐ टायरों को बिखरे पड़े न रहने दें। बिखरे पड़े टायरों में पानी जमा होने से मच्छर पनपते हैं।
- ☐ कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का ही प्रयोग करें।

आप भी ये सरल उपाय अपनाएं और स्वयं एवं अपने परिवार को मलेरिया से बचाएं।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी
स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
NVBDCP

हमने ठाना है
मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-12): 8.5 x 10.5 inches

मलेरिया

यदि आपको :

- ☐ सर्दी व कंपन के साथ बुखार है।
- ☐ तेज़ बुखार और सरदर्द है।
- ☐ बुखार उतरते समय बदन पसीना-पसीना हो रहा है।

... तो यह मलेरिया हो सकता है

अपने नज़दीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर खून की जाँच कराएं, मलेरिया पाए जाने पर पूर्ण उपचार करवाएं।

क्या आप जानते हैं ? मलेरिया एनाफिलीस मच्छर के कारण होता है।

यह मच्छर, मलेरिया के परजीवी आपके शरीर में अपने डंक द्वारा पहुँचाते हैं।

मलेरिया के मच्छर अक्सर ठहरे हुए साफ़ पानी में पैदा होते हैं। आइए, मलेरिया की रोकथाम के लिए हम सब आज से ही कुछ सरल उपाय अपनाएं -

- ☐ घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- ☐ पानी के सभी बर्तन, टंकी इत्यादि को पूरी तरह ढक कर रखें।
- ☐ कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का ही प्रयोग करें।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-13): 8.5 x 10.5 inches

जच्चा-बच्चा को मलेरिया से न होगी हानि, अगर गर्भवती महिला बरते सावधानी।

गर्भवती महिलाओं के लिए मलेरिया से बचना बहुत आवश्यक है क्योंकि यह बीमारी उनके गर्भ में पल रहे शिशु को भी नुकसान पहुँचा सकती है। गर्भवती महिला मलेरिया से बचने के लिए निम्नलिखित सरल उपाय अपना सकती है -

- ☐ सोते समय कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें।
- ☐ पानी के बर्तन, टंकियों इत्यादि को ढक कर रखें।
- ☐ अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- ☐ सप्ताह में एक बार फूलदान, कूलर, पशु-पक्षियों के पानी के बर्तन, हौदी इत्यादि को सुखाकर ही पानी भरें।
- ☐ हैण्ड पम्प के आस-पास सिमेंट से पक्का फर्श व नाली बनवाएं।

छोटी-छोटी युक्ति, दे मलेरिया से मुक्ति।

मच्छरदानी को बनाए ज़्यादा असरदार, करके उसका कीटनाशक से उपचार।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-14): 8.5 x 10.5 inches

मच्छरदानी का कीटनाशक से कराएं उपचार, निश्चित है फिर मलेरिया की हार।

टब में कीटनाशक को पानी में मिलाकर उसका घोल बनाइए।

मच्छरदानी को इस घोल में अच्छी तरह डुबोइए।

इसके बाद मच्छरदानी को छाया में सीधा फैलाकर सुखा दीजिए।

अब अपनी मच्छरदानी को और भी सुरक्षित बनाएं ।
मच्छरदानी को कीटनाशक से उपचारित कराएं।
यह मलेरिया से बचने का एक नया सरल उपाय है।

आज ही अपने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र जाएं और मच्छरदानी को कीटनाशक से उपचारित कराएं। अधिक जानकारी के लिए अपने स्वास्थ्यकर्मी से सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-15): 8.5 x 10.5 inches

बनाइए अपनी मच्छरदानी को और भी असरदार, कराके उसका कीटनाशक से उपचार।

1 10 मि. ली. कीटनाशक, १/२ लीटर पानी में मिलाकर घोल बनाइए।

2 अपनी मच्छरदानी को इस घोल में अच्छी तरह भिगोएं।

3 मच्छरदानी को छाँव में सीधा फैलाकर सुखाएं।

अपनी मच्छरदानी को कीटनाशक से उपचारित करवा कर और भी असरदार बनाएं।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-16): 8.5 x 10.5 inches

जच्चा-बच्चा को मलेरिया से न होगी हानि, अगर गर्भवती महिला बरते सावधानी।

गर्भवती महिलाओं के लिए मलेरिया से बचना बहुत आवश्यक है क्योंकि यह बीमारी उनके गर्भ में पल रहे शिशु को भी नुकसान पहुँचा सकती है। गर्भवती महिला मलेरिया से बचने के लिए निम्नलिखित सरल उपाय अपना सकती है -

- ☐ सोते समय कीटनाशक से उपचारित मच्छरदानी का उपयोग करें।
- ☐ पानी के बर्तन, टंकियों इत्यादि को ढक कर रखें।
- ☐ अपने घर के आस पास पानी जमा न होने दें। पानी से भरे गड्ढों में मिट्टी भर दें।
- ☐ सप्ताह में एक बार फूलदान, कूलर, पशु-पक्षियों के पानी के बर्तन, हौदी इत्यादि को सुखाकर ही पानी भरें।
- ☐ हैण्ड पम्प के आस-पास सिमेंट से पक्का फर्श व नाली बनवाएं।

छोटी-छोटी युक्ति, दे मलेरिया से मुक्ति।

मच्छरदानी को बनाए ज्यादा असरदार, करके उसका कीटनाशक से उपचार।

अधिक जानकारी के लिए अपने नज़दीकी स्वास्थ्यकर्मी/ स्वास्थ्य केन्द्र से आज ही सम्पर्क करें।

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम NVBDCP

हमने ठाना है मलेरिया मिटाना है

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

SIZE(leaflet-17): 8.5 x 10.5 inches